ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–३७
दिनांक- मंगलवार, १६ मई, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.3 एवं 21.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 76 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 43 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 6.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 27.3 एवं दोपहर में 39.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 12.4 मि0मी0 वर्षा हुई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(17–21 मई, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 17–21 मई, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखें जा सकते हैं। अगले 24 घंटो तक आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की संभावना है। 18 मई के आसपास मौसम में बदलाव आने की सम्भावना है जिसके कारण अनेक स्थानों पर बूंदा बूंदी या हल्की वर्षा की सम्भावना बन सकती है। कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की भी सम्भावना है। वर्षा के दौरान मेघ गर्जन एवं तेज हवा भी चल सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 38–40 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23–26 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 65 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 14 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- अगले 24 घंटे के बाद वर्षा की संभावना को देखते हुए जिन किसान भाईयों का अभी मक्का तथा अरहर की कटाई एवं दौनी नही कर पायें हो वैसे किसान भाई अविलंब कटाई एवं दौनी का कार्य संपन्न करके दानों को सुरक्षित स्थानों पर भंडारित करें।
- जिन किसान भाई का खेत खाली है तथा वे खरीफ धान की नर्सरी समय से लगाना चाहते है वैसे किसान भाई खेत की तैयारी शुरू कर दें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी 25 मई से लगा सकते है।
- लम्बी अवधि वाले धान की किस्में जैसे–राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब–1 वी0पी0टी0–5204 एवं सत्यम की नर्सरी 25 मई से लगा सकते हैं। र्नसरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। नर्सरी में क्यारी की चौराई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800– 1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल की नर्सरी तैयार करें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार अवष्य कर लें।
- हल्दी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। किसान भाई 15 मई से इसकी बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुषंसित है। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 60 से 75 किलोग्राम, स्फूर 50 से 60 किलोग्राम, पोटास 100 से 120 किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट 20 से 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर 20 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 30–35 ग्राम जिसमें 4 से 5 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30X20 से0मी0 तथा गहराई 5 से 6 से0मी0 रखे। अच्छे उपज के लिए 2.5 ग्राम इन्डोफिल 45 + 0.1 प्रतिशत बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
- अदरक की बुआई करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 30 से 40 किलोग्राम, स्फूर 50 किलोग्राम, पोटास 80 से 100 किलोग्राम जिंक सल्फेट 20 से 25 किलोग्राम एवं बोरेक्स 10 से 12 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर 18 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 20–30 ग्राम जिसमें 3 से 4 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30X20 से0मी0 रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के 0.2 प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। उत्तर विहार के लिए अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, षक्तिमान–1, षक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 है। खरीफ मक्का की बुआई 25 मई से करें।
- फल मक्खी लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसल को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। यह घरेलू मक्खी की तरह दिखाई देने वाली भूरे रंग की होती है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। अतः इस कीट की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर बचाव हेतु मिथाइल यूजीनोल ट्रेप का प्रयोग कर सकते है अथवा डाईमेथोएट 30 ई0सी0 दवा 2 मि0 ली0 +10 ग्राम चीनी/गुड़ प्रति लीटर पानी की दर मिलाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें। इन सब्जियों की फसल में निकाई–गुड़ाई का कार्य करें।
- अपने पशुओं को कीड़े की दवा देने के 10 दिनों बाद खुरपका–मुहपका रोग का टिका लगवायें। गर्मी के महीनों में पशुओं को 50 ग्राम नमक एवं 50 ग्राम खनीज मिश्रण दें। भूसा खरीदकर पूरे वर्ष के लिए रख लें।

आज का अधिकतम तापमानः 35.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 22.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)